पाठ-5

वचन

भाग-क	भाग-ख
(i) बच्चा खा रहा है।	(i) बच्चे खा रहे हैं।
(ii) मैं घूमने जा रहा हूँ।	(ii) हम घूमने जा रहे हैं।

उपर्युक्त 'क' भाग के वाक्यों में 'बच्चा' तथा 'मैं' शब्दों से एक की संख्या का पता चल रहा है तथा 'ख' भाग के वाक्यों में 'बच्चे' तथा 'हम' शब्दों से एक से अधिक संख्या का पता चलता है। वचन का सम्बन्ध गिनती से है।

अतः शब्द के जिस रूप से उसके एक अथवा एक से अधिक होने का पता चले, उसे वचन कहते हैं।

वचन के प्रकार

हिंदी में वचन दो प्रकार के होते हैं :-

(i) **एकवचन** (ii) **बहुवचन**

(i) **एकवचन** :- शब्द के जिस रूप से उसके संख्या में एक होने का पता चले, उसे एकवचन कहते हैं। जैसे- घोड़ा, किताब, लड़की, चाबी आदि।

(ii) **बहुवचन** :- शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का पता चलता है, उसे बहुवचन कहते हैं। जैसे- घोड़े, लड़कियाँ, चाबियाँ आदि।

वचन की पहचान

वचन की पहचान संज्ञा, सर्वनाम या क्रिया से होती है। जैसे

(i) **संज्ञा से** - **कुत्ता भौंक रहा है। (एकवचन)**

- **कुत्ते भौंक रहे हैं । (बहुवचन)**

उपर्युक्त वाक्यों में 'कुत्ता' तथा 'कुत्ते' संज्ञा (जातिवाचक) शब्द हैं जिनसे क्रमश: एकवचन तथा बहुवचन का पता चलता है।

(ii) **सर्वनाम से** **- मैं पढ़ रहा हूँ। (एकवचन)**

- **हम पढ़ रहे हैं। (बहुवचन)**

उपर्युक्त वाक्यों में 'मैं' तथा 'हम' सर्वनाम [पुरुषवाचक (उत्तम पुरुष)] शब्द हैं जिनसे क्रमशः एकवचन तथा बहुवचन का पता चलता है।

(iii) **क्रिया से** - **बालक खेल रहा है। (एकवचन)**

- बालक खेल रहे हैं। (बहुवचन)

उपर्युक्त वाक्यों में 'खेल रहा है' तथा 'खेल रहे हैं' क्रियाओं से क्रमशः एकवचन तथा बहुवचन का पता चलता है।

एकवचन **के स्थान** पर **बहुवचन का प्रयोग**

हिंदी में कई बार एकवचन वाले शब्दों का बहुवचन के रूप में प्रयोग होता है। जैसे-

(i) **आदर प्रकट करने के लिए एकवचन के स्थान पर बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे- सभापति पधार चुके हैं।**

(ii) कुछ लोग कई बार स्वयं को बड़ा या महान प्रकट के लिए अपने लिए 'मैं की जगह 'हम' सर्वनाम का प्रयोग करते हैं। जैसे- मंत्री जी ने मुझे कहा, "हम आपका काम करवा देंगे।"

(iii) कई बार अभिमान/स्वाभिमान प्रकट करने के लिए भी एकवचन की जगह बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे- "तुम्हें हम से बेहतर कोई नहीं मिलेगा।"

(iv) कई बार अधिकार प्रकट करने के लिए भी एकवचन की जगह बहुवचन का प्रयोग होता है। जैसे श्रीमान जी! हमारी बात भी सुनिये।"

(v) प्राण, लोग, दर्शन, होश, हस्ताक्षर, आँसू, आदि का प्रयोग प्राय: बहुवचन में होता है। जैसे –

- प्राण : डर के मारे उसके प्राण निकले जा रहे हैं।
- लोग : आप लोग कब पधारे ?
- दर्शन : उसके तो दर्शन बड़े दुर्लभ होते हैं।
- होश : साँप देखते ही उसके होश उड़ गये।
- हस्ताक्षर : मैंने दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर कर दिये।
- आँसू : तुम्हारे आँसू क्यों निकल रहे हैं।

बहुवचन के स्थान पर एकवचन का प्रयोग

(i) पानी, वर्षा, जनता आदि अधिकता का बोध कराने वाले शब्दों का प्रायः पानी एकवचन में प्रयोग होता है। जैसे-

पानी : वहाँ बहुत सारा पानी इकट्ठा हो गया है।

वर्षा : दो दिन से लगातार वर्षा हो रही है।

जनता : नेता जी का भाषण सुनने के लिए जनता उमड़ पड़ी।

(ii) **धातुओं का बोध कराने वाली जातिवाचक संज्ञाएं एकवचन रूप में प्रयुक्त होती हैं जैसे-**

सोना : **सोना बहुत महंगा हो गया है।**

चाँदी : **चाँदी सोने से सस्ती है।**

लोहा : **सारा लोहा ट्रक से उतरवा लिया गया है।**

विभक्ति चिह्न रहित शब्दों के बहुवचन

विभक्ति चिह्न रहित शब्दों के बहुवचन रूप निम्नलिखित नियमों के आधार पर बनते हैं।

1. अकारांत स्त्रीलिंग संज्ञाओं अंत में को 'एँ' (ें) करके

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
आँख	आँखें	पुस्तक	पुस्तकें
बहन	बहनें	छत	छतें
गाय	गायें	रात	रातें
सड़क	सड़कें	लहर	लहरें
फौज	फौजें	चादर	चादरें

2. आकारांत पुल्लिंग' शब्दों के अंत 'आ' स्थान पर 'ए' लगाकर

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
लड़का	लड़के	चीता	चीते
ठेला	ठेले	मेला	मेले
बेटा	बेटे	रुपया	रुपये
घोड़ा	घोड़े	बच्चा	बच्चे

अपवाद (i) संस्कृत कुछ आकारांत संज्ञा एकवचन तथा बहुवचन में एक जैसी रहती हैं। जैसे पिता, नेता, भ्राता, योद्‌धा, आदि।

(ii) आकारान्त संबंधसूचक शब्द चाचा, मामा, नाना, दादा आदि के रूप बहुवचन परिवर्तित नहीं होते अर्थात् इनके दोनों वचन एक जैसे ही रहते हैं।

3. 'अकारांत' स्त्रीलिंग शब्दों में 'एँ' लगाकर लगाकर

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बाला	बालाएँ	माला	मालाएँ
शाखा	शाखाएँ	घटना	घटनाएँ
सूचना	सूचनाएँ	योजना	योजनाएँ
कला	कलाएँ	गाथा	गाथाएँ
रचना	रचनाएँ	कविता	कविताएँ

4. 'उकारांत', 'ऊकारांत' एवं 'अकारांत' स्त्रीलिंग शब्दों में 'एँ' लगाकर

विशेष : यदि एकवचन में किसी शब्द का अंतिम स्वर 'ऊ' होता है तो 'एँ' लगाकर बहुवचन बनाते समय 'दीर्घ स्वर 'ऊ' को ह्रस्व 'उ' में बदल दिया जाता है। जैसे- बहू- बहुएँ आदि।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
वस्तु	वस्तुएँ	ऋतु	ऋतुएँ
धेनु	धेनुएँ	धातु	धातुएँ
गौ	गौएँ	वधू	वधुएँ

5. इकारांत (इ) या ईकारांत (ई) स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'याँ लगाकर :

विशेष : ईकारान्त शब्दों में अंतिम दीर्घ 'ई' को बहुवचन बनाते समय ह्रस्व 'इ' में बदल जाता हैं जैसे नदी नदियाँ, नारी नारियाँ आदि।

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
रश्मि	रश्मियाँ	रीति	रीतियाँ
गति	गतियाँ	नीति	नीतियाँ
जाति	जातियाँ	समिति	समितियाँ
नारी	नारियाँ	नदी	नदियाँ
कॉपी	कॉपियाँ	मक्खी	मक्खियाँ

6. 'इया' अंत वाले स्त्रीलिंग शब्दों के अंतिम 'या' के स्थान पर 'याँ' लगाकर :

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
खटिया	खटियाँ	डिबिया	डिबियाँ
बिटिया	बिटियाँ	चुहिया	चुहियाँ
लुटिया	लुटियाँ	चिड़िया	चिड़ियाँ

7. कुछ शब्दों के अंत में गण, वृंद, जन, वर्ग, दल, आदि लगाकर बहुवचन रूप बनते हैं। जैसे:

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
छात्र	छात्रगण	शिक्षक	शिक्षकवृंद
गुरु	गुरुजन	टिड्डी	टिड्डी दल

विशेष :- (i) हिंदी में कुछ 'अकारांत', 'आकारांत' या 'इकारांत' आदि शब्द ऐसे जिनका शब्द (विभक्ति चिह्न रहित) स्तर पर एकवचन तथा बहुवचन में एक ही रूप रहता है। जैसे-

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
फल	फल	घर	घर
साधु	साधु	मुनि	मुनि
व्यक्ति	व्यक्ति	हाथी	हाथी

किंतु ऐसे शब्दों का विभक्ति सहित अर्थात् वाक्य स्तर पर वचन परिवर्तन अवश्य होगा। इनके रूप वाक्य स्तर पर इस प्रकार बनेंगे-

एकवचन / बहुवचन रूप (शब्द स्तर पर)	:	बहुवचन रूप (वाक्य स्तर पर)
फल	:	सभी फलों को उठा लो।
घर	:	सभी लोग घरों में सो रहे हैं।
साधु	:	साधुओं को भोजन करा दो।
मुनि	:	मुनियों ने यज्ञ पूर्ण किया।
व्यक्ति	:	सभी व्यक्तियों को एक स्थान पर इकट्ठा करो।
हाथी	:	मतवाले हाथियों को देखकर सभी डर गये।

नोट : यदि परीक्षा उपर्युक्त फल, घर, आदि शब्दों का शब्द स्तर पर बहुवचन रूप बनाने को आये तो कभी विभक्ति चिह्न लगाकर उत्तर नहीं देना चाहिए।

जैसे 'फल' का बहुवचन 'फल' तथा 'घर' का बहुवचन 'घर' ही लिखना चाहिए न कि 'फलों' तथा 'घरों'।

(ii) **'अ' और 'आ' अंत वाले एकवचन शब्दों के अंतिम स्वर को संबोधन के समय बहुवचन रूप में प्रयुक्त करते समय 'ओ' हो जाता है। जैसे-**

एकवचन	बहुवचन
बालक	बालको
माता	माताओ

उदाहरण-

बालको ! इधर शोर मत करो।

माताओ ! तुम्हें शत् शत् नमस्कार ।

(ii) **अनेक ऐसे भी शब्द हैं जिनका विभक्ति-चिह्नों से रहित तथा विभक्ति चिह्नों सहित दोनों तरह बहुवचन बनता है। जैसे-**

शब्द (एकवचन)	विभक्ति चिह्न रहित (बहुवचन)	विभक्ति चिह्न सहित (बहुवचन)
लड़का	लड़के	लड़कों ने, से आदि
छात्रा	छात्राएँ	छात्राओं ने, से आदि
माता	माताएँ	माताओं से, का आदि
गुड़िया	गुड़ियाँ	गुड़ियों ने, का आदि
नारी	नारियाँ	नारियों ने, से आदि

अभ्यास

(वचन परिवर्तन कीजिए)

एकवचन	बहुवचन	एकवचन	बहुवचन
बोतल	बोतलें	कलम	कलमें
दीवार	दीवारें	बात	बातें
कुत्ता	कुत्ते	रास्ता	रास्ते
भेड़िया	भेड़िये	कौआ	कौए
गुड़िया	गुड़ियाँ	बुढ़िया	बुढ़ियाँ
शक्ति	शक्तियाँ	निधि	निधियाँ
तिथि	तिथियाँ	विधि	विधियाँ
स्त्री	स्त्रियाँ	दवाई	दवाइयाँ
गाड़ी	गाड़ियाँ	मिठाई	मिठाइयाँ
मछली	मछलियाँ	पत्नी	पत्नियाँ
बहू	बहुएँ	लू	लुएँ

कन्या	कन्याएँ	माता	माताएँ
अध्यापिका	अध्यापिकाएँ	आत्मा	आत्माएँ
वार्ता	वार्ता	कथा	कथाएँ

शिक्षा विभाग, पंजाब

(मार्गदर्शक:- डॉ. सुनील बहल, असिस्टेंट डायरेक्टर एस.सी.ई.आर.टी. पंजाब)

तैयार कर्ता:- राजन शर्मा, जालंधर व सुमन सहगल, जालंधर **शोधक:-** राजन, अमृतसर